सीमेण्ट का विकल्प खोजना

2518. **श्री छीतूभाई गामित :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में दिन प्रति दिन बढ़ती हुई सीमेंट की मांग को ध्यान में रखते हुए सरकार सीमेंट का विकल्प खोजने के लिए कोई अनुसंधान कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) किन-किन स्थानों पर ऐसा अनुसंधान किया जा रहा है और सीमेंट के संभावित विकल्प (विकल्पों) के बारे में ब्यौरा क्या है और उसका/उनका उत्पादन कितनी मात्रा में कब तक प्रारम्भ हो जाएगा।

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चरणजीत चानना): (क) जी , हां। कम भार वाले ढांचों की पक्की चिनाई और प्लास्टर करने के लिए चावल की राख पर आधारित चिनाई में सामग्री का विकास किया जा रहा है।

(ख) सीमेंट अनुसंधान संस्थान (सी० आर० आई०) में अनुसंधान किया जा रहा है। प्रयोगशाला में सफलतापूर्वक जांच किए जाने के बाद सहारनपुर, उत्तर प्रदेश में प्रतिदिन 2 मी० टन चावल की भूसी की राख से चिनाई की सीमेंट बनाने वाले एक संयंत्र की स्थापना की गई है और इसमें मई, 1980 से उत्पादन शुरू हो गया है। हरियाणा, पंजाब, आंध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु में ऐसे संयंत्रों की स्थापना करने के लिए 6 अन्य पार्टियों को जानकारी प्रदान करने हेतु सीमेंट अनुसंधान संस्थान ने एक करार किया है। हरियाणा स्थित संयंत्र में हाल ही में उत्पादन शुरू हो गया है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रूड़की तथा क्षेत्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, जोरहट द्वारा भी अनुसंधान कार्य किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश में न्युक्लीयस प्लांट

2519. **श्री दलीप सिंह भूरिया :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत सरकार ने मध्य प्रदेश के झाबुआ और सिंघटी जिलों की औद्योगिक क्षमता का अध्ययन करने के लिए एक दल भेजा था और जिससे वहां न्यूक्लीयस संयंत्रों की स्थापना के बारे में रिपोर्ट देने के लिए कहा गया था;

(ख) यदि हां, तो क्या इस समिति ने अपनी रिपोर्ट सरकार को दे दी है या नहीं;

(ग) यदि हां, तो समिति की इस रिपोर्ट पर क्या कार्यवाही की जा रही है; और

(घ) न्यूक्लीयस संयंत्रों के अधीन इन जिलों में कौन-कौन से उद्योग स्थापित किए जाएंगे;

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चरणजीत चानना) : (क) जी हां।

(ख) जी नहीं।

(ग) और (घ). उपर (ख) के उत्तर को देखते हुए प्रश्न नहीं उठते।